Content
१५

: अनुक्रमणिका :

पृ. सं.

प्राक्कथन २-१४

प्रथम अध्याय : विषय-प्रवेश १९-८७

प्रास्ताविक-नवजागरण के कारण, दलित-विमर्श और नारी-विमर्श को अग्रिमता-सर्वधर्मसमभाव-वैचारिक आविर्भाव में गद्य के विकास की भूमिका-कहानी : स्वरूप-विवेचन-कहानी विधा की अन्य विधाओं से तुलना- कहानी की विकास-यात्रा-शैलेश मटियानी जी का योगदान-मटियानी जी के कृतित्वकाल का युगबोध-मटियानी जी का जीवन-संघर्ष-निष्कर्ष-संदर्भानुक्रम।

द्वितीय अध्याय : दलित-विमर्श विषयक कतिपय-अवधारणाएँ ८८-१५०

प्रास्ताविक-वर्णाश्रम-व्यवस्था में शूद्रों का स्थान-वर्ण-व्यवस्था के दोष -ब्राह्मणों के विशेषाधिकार-अस्पृश्यों के भीतर भी जातिगत संस्तरण की शातिर योजना-अस्पृश्यता का प्रारंभ कब से ?-कोचीन की सरकारी रिपोर्ट-दलित-विमर्श-यात्रा-दलितों पर थोपी गयी निर्योग्यताएँ- दलित-विमर्श को बढ़ानेवाले १९ वीं और २० वीं शताब्दी के नेता-डॉ. बाबा साहब आंबेडकर-आंबेडकर और मार्क्सवाद-दलित और हरिजन-अस्पृश्यता-निवारण से संबंधित कार्य-सुधार आंदोलन और गैर-सरकारी प्रयत्न-उसमें सवर्ण हिन्दुओं द्वारा चलाए गए आंदोलन, महात्मा गाँधी की भूमिका- अस्पृश्य जातियों द्वारा चलाए गए आन्दोलन-सरकारी प्रयत्न-संवैधानिक प्रयत्न- शिक्षा-संबंधी सुविधाएँ-विधानमंडलों एवं पंचायतों में प्रतिनिधित्व-सरकारी नौकरियों में प्रतिनिधित्व-विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं में दलित-वर्ग की उन्नति हेतु रखे गए विभिन्न प्रावधान-नागरिक अधिकार संरक्षण कानून-निष्कर्ष-संदर्भानुक्रम।

तृतीय अध्याय : ईसाई-संदर्भ तथा मुस्लिम-संदर्भ विषयक कुछ अवधारणाएँ १५१ - २३३

प्रास्ताविक-ईसाई संदर्भ : भारत में यूरोप का आगमन-भारत में अंग्रेजों का आगमन-ईसाइयत का प्रचार-प्रसार-ईसाई धर्म का उद्भव-ईसाई धर्म और बौद्ध धर्म- ईसाई धर्म की कुछेक विशेषताएँ-ईसाई परिवार- ईसाई परिवार की कुछेक विशेषताएँ-ईसाई समाज में विवाह-पद्धति-ईसाइयों में विवाह-विच्छेद-ईसाइयों की विवाह-पद्धति में कुछ आधुनिक नवीन परिवर्तन।

मुस्लिम संदर्भ : विश्व में इस्लाम का उदय-इस्लाम का क्षिप्र प्रसार-अरब और इस्लाम का भारत से संपर्क - भारत पर मुस्लिम आक्रमण- भारत में मुस्लिम शासन- सल्तनत का समय सन् (१२०६-१५२६ई.) : गुलाम वंश, खिलजी वंश, तुगलक वंश- सैयद वंश, लोदीवंश, मुगल समय (सन् १५२६-१८५७ ई.)- मुस्लिम शासन के दौरान प्रभावशाली व्यक्तित्व-हिन्दू-मुस्लिम समरसता-गंगा-जमुनी संस्कृति-इस्लाम धर्म-इस्लाम धर्म की कतिपय विशेषताएँ-मुस्लिम विवाह-मुस्लिम विवाह की कुछ शर्तें-मुस्लिम विवाह में महेर या स्त्री-धन का प्रावधान -मुस्लिम विवाह के भेद- मुस्लिम विवाह में विवाह-विच्छेद-तलाक (Divorce)-तलाक के भेद-तलाक-विषयक कुछ अधिनियम-मुस्लिम परिवार की विशेषताएँ-निष्कर्ष-संदर्भानुक्रम।

चतुर्थ अध्याय : शैलेश मटियानी की दलित-संदर्भ से युक्त कहानियाँ २३४- २९४

प्रास्ताविक- (अ) कुमाऊँ के पिरवेश पर आधारित दलित-संदर्भ की कहानियाँ : घुघुतिया त्यौहार-सतजुगिया आदमी-नंगा-प्रेतमुक्ति-चिट्ठी के चार अक्षर-लाटी-लीक-कुछ अतिरिक्त कहानियाँ : सावित्री, भँवरे की जात, नेताजी की चुटिया, बर्फ की चट्टानें, जिबूका। (ब) नगरीय परिवेश पर आधारित दलित-संदर्भ की कहानियाँ : चील-पत्थर-प्यास-महाभोज-गोपुली गफूरन-मिट्टी-दो दुःखों का एक सुख-एक कोप चा : दो खारी बिस्किट-हत्यारे-अन्य

कहानियाँ : अहिंसा, विट्ठल, दैट माय फादर वेलजी, फर्क बस इतना है। निष्कर्ष। सन्दर्भानुक्रम।

पंचम अध्याय : शैलेश मटियानी की ईसाई-संदर्भ से युक्त कहानियाँ २९५ - ३३०

प्रास्ताविक- मिसेज ग्रीनवुड-झुरमुट (कठफोड़वा)-दीक्षा-चुनाव-नीत्शी-छाक-अन्य कहानियाँ : कोहरा, दैट माय फादर वेलजी, बित्ताभर सुख-निष्कर्ष-संदर्भानुक्रम।

षष्ठ अध्याय : शैलेश मटियानी की मुस्लिम-संदर्भ की कहानियाँ ३३१-३८९

प्रास्ताविक-मैमूद-रहमतुल्ला-इब्बूमलंग-गरीबुल्ला-पत्थर-गोपुली गफूरन-एक कोप चा : दो खारी बिस्किट-दो दुःखों का एक सुख-इल्लेस्वामी-हलाल-सिने गीतकार-निष्कर्ष-संदर्भानुक्रम।

सप्तम् अध्याय : संदर्भ-त्रयी में निरूपित मानवीय समस्याओं का आकलन ३९० - ४५०

प्रास्ताविक-समस्याओं का स्परूप-सामाजिक, पारिवारिक, धार्मिक, आर्थिक, नैतिक, मनोवैज्ञानिक आदि- सभी समस्याएँ परस्पर अनुस्यूत-संदर्भ-त्रयी के आधार पर विश्लेषित समस्याएँ- १. दरिद्रता की समस्या २. आवास की समस्या ३.जातिगत नफरत की समस्या ४. जातिवाद की समस्या ५. धर्मान्तरण की समस्या ६. वेश्या समस्या ७. बीमारियों की समस्या ८. ज्यादा संतानों की समस्या ९. निम्न जातियों के लोगों के यौन-शोषण की समस्या १०. हैसियत से ज्यादा खर्च करने की समस्या ११. निम्न जातियों के अपमान की समस्या १२. अंधविश्वास की समस्या १३. जाति-बिरादरी के डर की समस्या १४. बच्चों के यौन-शोषण की समस्या १५. बाल-मजदूरी की समस्या १६. बचपन में ही अनाथ हो जाने की समस्या १७. बच्चों से भीख मंगवाने की समस्या १८. बच्चों से अवैध काम करवाने की समस्या १९. धर्म-वंचना की

समस्या २०. अन्तर्जातीय विवाह की समस्या। कुछ अन्य समस्याएँ- अस्पृश्यता की समस्या, फिल्मी गीतों के भोंड़ेपन की समस्या, वर्ली-मटका और जुए की समस्या, गलत राजनीति के शिकार हो जाने की समस्या आदि-आदि- निष्कर्ष-संदर्भानुक्रम।

अष्टम अध्याय : उपसंहार ४५१-४७४

* समग्रावलोकन पर आधारित निष्कर्ष।
* विषय का महत्व व उपलब्धियाँ।
* भविष्यत् संभावनाएँ।

सन्दर्भिका (Bibliography) : ४७५-४८१

परिशिष्ट-१ : उपजीव्य-ग्रन्थों की सूची।

परिशिष्ट-२ : सहायक ग्रन्थों की सूची (हिन्दी)।

परिशिष्ट-३ : सहायक ग्रन्थों की सूची (अंग्रेजी)।

परिशिष्ट-४ : पत्र-पत्रिकाएँ।